### जनसंपर्क के उद्देश्य

[जनसंपर्क के उद्देश्य](https://www.scotbuzz.org/2017/05/janasampark-ke-uddeshya.html#toc0)

[जन आकांक्षाओं को जानने के लिए-](https://www.scotbuzz.org/2017/05/janasampark-ke-uddeshya.html#toc1)

[जनसेवाओं की उपलब्धियों को बताने के लिए-](https://www.scotbuzz.org/2017/05/janasampark-ke-uddeshya.html#toc2)

[लोक सेवा के अनुकूल जनमत तैयार करने हेतु-](https://www.scotbuzz.org/2017/05/janasampark-ke-uddeshya.html#toc3)

[जनसंपर्क जनता व सरकार के मध्य एक कड़ी के रूप में-](https://www.scotbuzz.org/2017/05/janasampark-ke-uddeshya.html#toc4)

[प्रशासनिक सुधार से सम्बन्धित सुझाव प्राप्त करने के लिए-](https://www.scotbuzz.org/2017/05/janasampark-ke-uddeshya.html#toc5)

[सरकार की व्यथा और असमर्थता को बताने के लिए-](https://www.scotbuzz.org/2017/05/janasampark-ke-uddeshya.html#toc6)

[जनता को अफवाहों और गलतफहमियों से दूर रखने के लिए-](https://www.scotbuzz.org/2017/05/janasampark-ke-uddeshya.html#toc7)

[कार्यक्रमों एवं नीतियों की सफलता के लिए इसका प्रचार आवश्यक-](https://www.scotbuzz.org/2017/05/janasampark-ke-uddeshya.html#toc8)

## जनसंपर्क के उद्देश्य (objects of public relation)

जनसंपर्क का क्षेत्र आज बेहद बड़ा गया हो गया है। इसके अंतर्गत नए नए प्रयोग हो रहे है और इससे जनसंपर्क के उद्देश्यों का दायरा भी लगातार बढ़ता जा रहा है।

 जनसंपर्क एक कार्य विशेष न रहकर अब कला हो गयी है। वर्तमान में लोक प्रशासन में जनसंपर्क के प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार है :

### जन आकांक्षाओं को जानने के लिए-

लोक कल्याणकारी राज्यों में सरकार के समस्त कार्य जनहित को ही ध्यान में रखकर किये जाते हैं।

जनहित के कार्यों के सम्पादन के पूर्व यह जानना आवश्यक हो जाता है कि जनता की अपेक्षाएं सरकार से क्या है?

उसकी आकांक्षा को जान लेने के बाद सरकार को उसके लिए कार्य करना आसान हो जाता है। जन सम्पर्क के विभिन्न अभिकरणों के द्वारा जनता की आकांक्षाओं और अनिवार्यताओं को जानने का प्रयास किया जाता है। तत्पश्चात् इसके आधार पर उनके लिए योजनाओं का निर्माण किया जाता है तथा कार्यक्रम तैयार करके उन्हें कार्यान्वित किया जाता है।

### जनसेवाओं की उपलब्धियों को बताने के लिए-

जनता के लिए सरकार अर्थात् लोकसेवा क्या क्या कार्य कर रही है, सरकार की क्या उपलब्धियां हैं, इन उपलब्धियों से जनता को कहां तक लाभ पहुंच है, इसे बताने के लिए सरकार जनता के मध्य प्रचार करती है।

जनसंचार के विभिन्न साधनों के माध्यम से उन तक अपनी उपलब्धियों के बारे में जानकारी पहुंचती है। इन महत्वपूर्ण कार्यों आरै उपलब्धियों के बारे में जब जनता जानकारी प्राप्त कर लेती है तो जनसाधारण का विश्वास जनसेवाओं के प्रति बढ़ता है और जनता का यह विश्वास जनसेवा के लिए बहुत बड़ा सम्बल होता है।

जनता भी अपने आपको महत्वपूर्ण समझने लगती है तथा लोकसेवा के कार्यों के प्रति उसकी जागरूकता बढ़ती है।

### लोक सेवा के अनुकूल जनमत तैयार करने हेतु-

लोक सेवा एवं प्रशासकीय कार्यों के प्रति अनुकूल जनमत तैयार किया जा सके, यह देखना भी सरकार का कार्य है। ऐसा तभी सम्भव है जब जनसंपर्क के विभिन्न अभिकरण सही दिशा में कार्य करते हुए जनता की मनोदशा को समझें, क्योंकि को भी सरकार अथवा प्रशासन यह नहीं चाहेगा कि उसके कार्यों के प्रतिकूल जनमत हो।

जनमत को अपने अनुकूल करने के लिए न सिर्फ वर्तमान कार्यों को समझाया जाता है, बल्कि लोकसंपर्क के साधन उन्हें यह भी बताते हैं कि भावी योजनाएं क्या क्या हैं?

अगर जनता प्रशासन के वर्तमान कार्यों से सन्तुष्ट हैं और भावी कार्यक्रमों के प्रति आशान्वित है तो निश्चय ही उसे जनसमर्थन प्राप्त होता है।

### जनसंपर्क जनता व सरकार के मध्य एक कड़ी के रूप में-

जनसंपर्क जनता एवं सरकार के मध्य एक कड़ी के रूप में भी काम करता है। जनसंपर्क का कार्य सिर्फ सरकार की उपलब्धियों और कार्यों को जनता को बताना ही नहीं है अपितु यह जनता की भावनाओं और आकांक्षाओं को भी सरकार तक पहुंचता है।

अगर सरकार के किसी कार्य के प्रति जनता में अत्यधिक आक्रोश है तो सरकार अपने उस निर्णय पर विचार करती है तथा कभी कभी जन आक्रोश को देखते हुए अपने निर्णय को बदल देती है।

अर्थात् यह कहा जा सकता है कि जनसंपर्क के विभिन्न अभिकरण जनता एवं सरकार के मध्य एक समन्वयकर्त्ता की भी भूमिका अदा करते हैं।

### प्रशासनिक सुधार से सम्बन्धित सुझाव प्राप्त करने के लिए-

संसार में को भी व्यक्ति ऐसा नहीं जो सब कुछ जानता है तथा संसार में को ऐसा भी व्यक्ति नहीं है जो कुछ नहीं जानता है।

हालांकि सरकार प्रशासन के संचालन के लिए योग्यतम अधिकारियों और कर्मचारियों का चुनाव करती है, फिर भी यह नहीं कहा जा सकता कि प्रशासनिक कार्यों के संचालन के लिए उनके द्वारा किये गये प्रयास ही सर्वोत्तम है और उससे बेहतर उपाय हो ही नहीं सकते हैं।

समाज के विभिन्न वर्गों से भी विभिन्न प्रकार की समस्याओं से सम्बन्धित प्रशासनिक सुझाव प्रस्तुत किये जाते हैं और kai मामलों में सरकार उनके इस ठोस सुझाव को मान भी लेती है। जनसंपर्क के विभिन्न माध्यम इन सझुावों को सरकार तक पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

### सरकार की व्यथा और असमर्थता को बताने के लिए-

कभी कभी ऐसी स्थिति आ जाती है कि सरकार को देश के हित में कुछ ऐसे कड़े निर्णय लेने पड़ते हैं जो जनता को पसन्द नहीं होते हैं। कुछ सीमा तक तात्कालिक रूप से ये निर्णय जन विरोधी होते हैं।

ऐसी स्थिति में सरकार अपनी व्यथा और असमर्थता को बताने के लिए व्यग्र हो उठती है मौजूदा दौर में महंगा नियंत्रण रोकने में विफल सरकार को बार-बार ऐसा करना पड़ रहा है। इस तरह के कड़वे निर्णय क्यों लेने पड़े?

देश की व्यथा क्या है? सरकार की असमर्थता क्या है? तथा ऐसा संकट क्यों आया ? इन तमाम बातों की जानकारी जनता तक पहुंचने में जनसम्पर्क के विभिन्न अभिकरण अत्यन्त महत्वपूर्ण हो जाते हैं।

### जनता को अफवाहों और गलतफहमियों से दूर रखने के लिए-

जनसम्पर्क के साधनों का महत्व इसलिए भी अधिक है कि इन साधनों के माध्यम से सरकार जनता को सजग और सचेष्ट बनाती है तथा यह बताती है कि वे अफवाहों से दूर रहें।

भारत जैसे देश में अधिकांशत: साम्प्रदायिक दंगे अफवाहों और गलतफहमियों के चलते ही है सरकार जनता को सलाह देती है कि इन अफवाहों से दूर रहें।

 इसके अलावा समाज के कुछ तत्व सरकार के अच्छे से अच्छे कार्यों को भी तोड़-मरोड़कर गलत ढंग से जनता के समक्ष रखते हैं तथा सरकार के प्रति जनता में घृणा उत्पन्न करते हैं, जो वास्तविकता से काफी भिन्न होता है।

 अत: ऐसी परिस्थिति में सरकार जनसम्पर्क के साधनों का सहारा लेती है तथा अपने ऊपर लगाये गये आरोपों का जवाब देती है, लोगों को तथ्यों से अवगत कराती है तथा जनता के मध्य गलतफहमी को दूर करती है।

शासन अपने पक्ष को सही ढंग से प्रस्तुत करने के लिए ही जनसम्पर्क स्थापित करता है और इस कार्य को पूरा करने के लिए जनसम्पर्क अधिकारी नियुक्त करता है।

### कार्यक्रमों एवं नीतियों की सफलता के लिए इसका प्रचार आवश्यक-

आधुनिक राज्य जन-कल्याणकारी राज्य है। जन कल्याणकारी राज्य में सरकार के कार्यक्रमों और नीतियों की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि जनता उसे कहां तक स्वीकार करती है और जब जनता उन कार्यक्रमों और नीतियों के बारे में सही और विस्तृत ढंग से जानेगी नहीं तो उसे स्वीकार कैसे करेगी?

अत: सरकार के किसी भी नये कार्यक्रम, नीति एवं योजना की सफलता के लिए यह आवश्यक है कि जनता के मध्य उनका भरपूर प्रचार किया जाय।

 नयी नीतियों के पक्ष में अगर तर्क नहीं रखे जायेंगे तो जनता अनभिज्ञता के कारण उसके विरूद्ध अपना निर्णय घोषित कर देगी। उदाहरणतया सरकार अभी कम्प्यूटर का प्रयोग हर जगह कर रही है।

आज जनसपंर्क सिर्फ सरकार के लिए ही उपयोगी नहीं रह गया है बल्कि अब तो सार्वजनिक क्षेत्र, कारपोरेट हाउस और निजी क्षेत्र यहां तक कि राजनीतिक दल भी जनसंपर्क का महत्व भी समझने लगे हैं।

निजी क्षेत्र के लिए जनसंपर्क से प्रमुख उद्देश्यों में वे सारे उद्देश्य तो शमिल है ही जो सरकारों के लिए होते हैं लेकिन निजी क्षेत्र के लिए जनसंपर्क के अनके अन्य उद्देश्य और उपयोग भी हैं।

निजी क्षेत्र में जनसंपर्क एक प्रकार से विज्ञापन का भी कार्य करता है। जब किसी कंपनी द्वारा विज्ञापन के रूप में प्रस्तुत होता है तो उसका एक अलग प्रभाव होता है। लेकिन वही तथ्य जब कंपनी के जनसंपर्क विभाग के प्रयासों से समाचार के रूप में प्रस्तुत हो जाता है।

जनसंपर्क की इस ताकत को अब निजी क्षेत्र ने भलीभांति समझ लिया है और बड़े-बड़े कारपोरेट घरानों में अब कारपोरेट कम्युनिकेशन जैसे विभाग बनाए लगे हैं।

निजी क्षेत्र में जनसंपर्क का उपयोग अपनी छवि सुधारने के लिए और अपना प्रभाव क्षेत्र बढ़ाने के लिए भी किया जाता है। इसके अलावा अपने प्रति कुप्रचार, जन आक्रोश और लोगों के मन में उत्पन्न दुर्भावना को खत्म करने के लिए भी जनसंपर्क की बहुत उपयोगि है।